संपादक का नोट

मैं आप सभी मेरे प्रभु और उद्धारकर्ता यीशु मसीह के नाम पर नमस्कार करती हूं। यह साल 2016 तेजी से खतम होने पर आ रहा है और जल्द ही हम दिसंबर के महीने में होंगे। हम सब हमारे प्रभु यीशु मसीह के जन्मदिन के लिए तैयारी में व्यस्त हो जाएंगे जब वह इस दुनिया में आया।

हमारे प्रभु यीशु मसीह हर सेकंड अपने पिता की इच्छा को पूरी करने के लिए उत्सुक थे। यूहन्ना 9 : 4 , ''अवश्य है कि जिसने मुझे भेजा है उसके कार्य हम दिन ही दिन में करे। रात आने वाली है, जब कोई मनुष्य कार्य नहीं कर सकेगा।'' कल्पना करें कैसे उसका मुख और आवाज होगा जब वह इन वचनों को बोल रहा था।

इस दुनिया में मनुष्य के लिए हमेशा के लिए दिन जारी नहीं रहेगा। अनुग्रह का समय भी हमेशा के लिए जारी नहीं रहेगा। एक दिन सुसमाचार प्रचार करना बंद हो जाएगा। अनुग्रह का दरवाजा बंद कर दिया जाएगा। प्रभु ने समय को दिन के समय और रात के समय में विभाजित किया है, दिन के समय जब मनुष्य कार्य कर सकता है, और रात के समय जब कोई मनुष्य कार्य नहीं कर सकता है।

प्रभु ने जो हमें दिन के समय के दौरान कार्य करने के लिए कहा है, इसके साथ ही हमें यह भी चेतावनी दी है कि हम रात के समय में सावधान रहे।

यीशु मसीह पृथ्वी पर केवल थोड़े समय के लिए ही थे अर्थात साढ़े तेंतीस सालों के लिए, जिसमें से उन्हें सेवा करने के लिए केवल साढे तीन साल ही मिला। इसके बाद रात का समय आ गया . जो कि, जहां वह खुद को क्रूस पर बलिदान कर दिया।

हमारे प्रभु यीशु इस दुनिया में आने से पहले पिता के पास बहुत आज्ञाकारी थे। इब्रानियों 10 : 7, 5 ''तब मैंने कहा, 'हे परमेश्वर, देख, मैं तेरी इच्छा पूरी करने आ गया हूं –पुस्तक में मेरे विषय यही लिखा हुआ है।'' इस कारण वह संसार में आते समय कहता है, ''तू ने बलिदान और भेंट को न चाहा, परन्तु तू ने मेरे लिए एक देह तैयार की है।'' यही कारण है कि उन्होंने कहा कि उनको अपने पिता का कार्य दिन के समय में करना पड़ा है।

मेरे प्यारे भायों और बहनो, दिन के समय का उपयोग हमारे स्वर्गीय पिता से दिए गए अनुग्रह से हमारे आत्मा के लाभ के लिए और यीशु को उच्चा उठाने के लिए करना चाहिए। यीशु ने दिन का समय हर गांव में जाकर उपदेश देने के लिए इस्तेमाल किया है। मत्ती 14 : 14 ''जब वह नाव पर से उतरा तो उसने एक विशाल जनसमूह को देखा और लोगों पर तरस खाया और उनके बीमारों को चंगा किया।'' रात के समय में वह पहाड़ पर जाता और प्रार्थना करता था।

हर मनुष्य के जीवन में एक दिन का समय और एक रात का समय होता है। यह दुनिया रात के समय की ओर जा रही है। यशायाह 60 : 2 ''देख, पृथ्वी पर अन्धियारा और जाति जाति के लोगों पर घोर अन्धकार छा जाएगा, परन्तु तुझ पर यहोवा उदय होगा, और उसका तेज तुझ पर प्रकट होगा।''

जैसे की प्रभु ने दिन और रात बनाया, वह भेड़ को दो भागों में विभाजित कर दिया, एक उसके ओर था और दूसरा उसकी ओर नहीं था। हम किसी भी ओर से संबंधित हो, अगर हमें यहोवा ही के लिए एक प्यास है तो वह हमें उनकी ओर ले जाएगा। भजन संहिता 14 : 2 ''यहोवा ने स्वर्ग से मनुष्यों की संतान पर दृष्टि की है, कि देखे कि कोई समझदार, कोई परमेश्वर का खोजी है या नहीं।''

मैं कई स्थानों पर जा चुकी हूँ प्रभु की सेवा करने के लिए और मैंने कइयों को देखा है जो गुप्त में यीशु को प्राप्त किया है।

यहूदियों के बीच वहाँ नीकुदेमुस नाम का एक मनुष्य था जो रात को यीशु के पास आया करता था। यूहन्ना 3 : 1 , 2 ''फरीसियों में से नीकुदेमुस नाम का एक मनुष्य था, जो यहूदियों का एक अधिकारी था।'' उसने रात को यीशु के पास आकर कहा, ''हे रब्बी, हम जानते हैं कि तू परमेश्वर की आरे से आया हुआ गुरू है, क्योंकि इन चिन्हों को जो तू दिखाता है कोई नहीं दिखा सकता जब तक कि परमेश्वर उसके साथ न हो।''

नीकुदेमुस प्रभु से बहुत प्यार करता था और कहा था कि वह एक अच्छा शिक्षक था। यीशु ने रात में नीकुदेमुस को स्वीकार कर लिया और उसके सभी संदेहों को दूर किया। जब यीशु की मृत्यु हो गई, नीकुदेमुस और अरमतियाह के यूसुफ यीशु का एक और गुप्त शिष्य था जो यीशु को क्रूस से उतार कर और उसे एक सभ्य दफन दे दी। यूहन्ना 19 : 38–40 ''इन बातों के पश्चात अरमतियाह के यूसुफ ने, जो यहूदियों के डर से गुप्त रूप से यीशु का चेला था, पीलातुस से विनती की, कि उसे यीशु के शव कि अनुमति मिले और पीलातुस ने अनुमति दे दी । तब वह आकर यीशु के शव को ले गया। और निकुदेमुस भी जो पहले यीशु के पास रात्रि में आया था लगभग चालीस किलो मिला हुआ गन्धरस और एलवा लेकर आया। तब उन्होंने यीशु के शव को लिया और यहूदियों के दफनाने की रीति के अनुसार उसे सुगन्धित द्रव्यों के साथ कफन में लपेटा।''

वे यीशु के लिए कृतज्ञता में लोहबान और दस्तावर औषधि की भेंट ले आए जो कि प्रभु का जीवन उनके लिए बलिदान हुआ।

इसलिए मेरे प्यारे भाइयों और बहनों, हमें सावधानी से चलना चाहिए न कि हमें मूर्खों के जैसा लेकिन बुद्धिमान लोगों के रूप में ढंग से चलना चाहिए, समय निकल रहा है, क्योंकि दिन बुरे हैं।

आप सब ही को प्रभु आशिष दे जब तक कि हम फिर मिले।

प्रभु कि सेवा में आपकी,

पास्टर सरोज म.

अंत समय के लिए तैयार रहे।

दानिय्येल 12 : 1 ''उस समय मीकाएल नाम बड़ा प्रधान, जो तेरे लोगों का सरंक्षक है, उठेगा,और वह ऐसी विपति का समय होगा जैसा किसी जाति के उत्पन्न होने के समय से अब तक कभी न हुआ होगा, और उस समय तेरे लोगों में से जितनों के नाम उस पुस्तक में लिखे होंगे, वे बचा लिए जाएंगे।''

यह दानिय्येल की रहस्योद्घाटन है अंत समय के बारे में, जो की उसे प्रभु के द्वारा मिला है। वचन के अनुसार, हमें अंत समय के लिए तैयार रहना चाहिए।

दानिय्येल 12 : 4 ''परन्तु हे दानिय्येल, तू इन वचनों को गुप्त रख और इस पुस्तक पर अंत समय तक के लिए मुहर लगा, अनेक लोग यहाँ–वहां भाग दौड़ करेंगे और ज्ञान बहुत बढ़ जाएगा।'' प्रकाशितवाक्य 22 : 10 उसने मुझ से कहा, ''इस पुस्तक की नाबुवत की बातों पर मुहर न लगा, क्योंकि समय निकट है।'' दानिय्येल के समय, जो भी बात प्रभु लोगों से करना चाहते थे तो वह राजा नबूकदनेस्सर के माध्यम से बात करते थे। और प्रभु दानिय्येल को वह रहस्योद्घाटन से नबूकदनेस्सर से बात करते थे। दानिय्येल 2 : 29 ''हे राजा, अपने पलंग पर तू सोचने लगा कि भविष्य में क्या क्या होने वाला है। तब भेदों के खोलने ने आने वाली बातों को तुझ पर प्रकट कर दिया।'' पुराने समय में, परमेश्वर को नबूकदनेस्सर से बात करने के लिए उसके सपने में बात करते थे और उसका अर्थ रहस्योद्घाटन को दानिय्येल से बताते थे। लेकिन बाद में प्रभु लोगों से सीधे बात करने के लिए उनसे आमने सामने बात करना शुरू कर दिया। हम जैसे की पढ़ते है दानिय्येल 12 : 4 ''परन्तु हे दानिय्येल, तू इन वचनों को गुप्त रख और इस पुस्तक पर अंत समय तक के लिए मुहर लगा, अनेक लोग यहाँ–वहां भाग दौड़ करेंगे और ज्ञान बहुत बढ़ जाएगा।'' प्रभु ने किताब बंद करने के लिए दानिय्येल से कहा, उन्होंने कहा कि ''यह आवश्यक नहीं है की किताब खुली रहे, जिसे मैं बात करना चाहूंगा, मैं कहूंगा। वे सही को गलत से और अच्छे को बुरे से पता चल जाएगा''। लेकीन प्रकाशितवाक्य 22 : 10 उसने मुझ से कहा, ''इस पुस्तक की नाबुवत की बातों पर मुहर न लगा, क्योंकि समय निकट है।''

परमेश्वर के इस रहस्योद्घाटन को पूरा करने के लिए, यीशु को इस संसार में भेजा गया था। यीशु ने इस संसार के लोगों को स्वतंत्र रूप से और खुले तौर से बात की। हम ने पवित्र शास्त्र में मत्ती, मरकुस, लूका, यूहन्ना में देखा है। नए करार में, यीशु ने अपने दूसरे आगमन के बारे में ११ वचनों में कहा है। जो की कुल १७२५ वचनों से यीशु के आगमन के बारे में कहा गया है। इस प्रकार प्रभु सभी मानव जाति से बात करते थे और उन्हें अंत समय के बारे में , अलग अलग तरीकों से और अलग अलग स्थितियों में याद दिलाते थे।

स्वर्ग में, वहाँ एक आवाज है जो लगातार बोलता है। क्या है वह नित्य घोषणा ? प्रकाशितवाक्य 22 : 11 ''जो अन्याय करता है, वह अन्याय ही करता रहे। जो अशुद्ध है, वह अशुद्ध ही बना रहे। जो धर्मी है, वह धर्मी के कार्य ही करता रहे। जो पवित्र है, वह पवित्र ही बना रहे।''

स्वर्ग में, प्रभु कहते है ''अंत समय के बारे में सभी मानव जाति को बोलने के बावजूद पुराने समय में किताब बंद कर दिया गया था, लेकिन अब किताब के खुलने के बावजूद और उसके पुत्र यीशु जो अच्छे/ बुरे, सही/ गलत सभी मानव जाति के लिए प्रचार किया, वह खुले तौर पर अंत समय के बारे में भी प्रचार किया है। फिर भी इस पृथ्वी पर, जो अन्यायी है – अन्यायी रहे, जो अपवित्र है– अपवित्र रहे, जो धर्मी है – – वह धर्मी रहे, और वह जो पवित्र है – पवित्र बना रहे। अंत के समय में ''मैं न्याय करूँगा'' ऐसा यीशु कहते हैं। यह महत्वपूर्ण है की हमें पता होना चाहिए कि हम आज अंत समय में है। हमें पाप और अधर्म में जारी नहीं रहना चाहिए। हमारे प्रभु यीशु मसीह इस दुनिया में हमें बचाने के लिए आया है। चलो फिर से पढ़ें दानिय्येल 12 : 1 ''उस समय मीकाएल नाम बड़ा प्रधान, जो तेरे लोगों का सरंक्षक है, उठेगा,और वह ऐसी विपति का समय होगा जैसा किसी जाति के उत्पन्न होने के समय से अब तक कभी न हुआ होगा, और उस समय तेरे लोगों में से जितनों के नाम उस पुस्तक में लिखे होंगे, वे बचा लिए जाएंगे।''

पुराने समय में प्रभु के बच्चे कौन थे? इब्राहीम, याकूब और इसहाक के बच्चे। और आज, प्रभु के बच्चे कौन हैं? जो लोग यीशु मसीह को स्वीकार कर लिया है और उसके खून से अपने आप को शुद्ध कर लिया है हम उनके बच्चे हैं। हम देखते हैं की प्रभु का प्यार इतना अद्भुत है, हमारे लिए उनके विचार इतना

अधिक है कि वह हमें बचाने के लिए और परेशान अंत के समय के दौरान हमें मदद करने के लिए मीकाएल दूत के साथ हमें प्रदान किया है। यह महान महादूत, प्रभु के बच्चों के लिए खड़े रहता हैं और उन्हें बचाता है और अंत समय के दौरान उन्हें छुड़ाता है। याद रखें, हमारा प्रभु हमें प्यार करता है इस प्रकार हमें अंत समय के दौरान प्रदान करने के लिए हमें मीकाएल दूत को दे दिया है। जो लोग यीशु से प्यार करते है, जो उसे स्वीकार कर लिया है, उसके खून से शुद्ध हो गए हैं, उसके साथ एक हैं और उनके परिवार हो गए हैं, उनके लिए प्रभु ने मीकाएल दूत को दे दिया है ताकि वह अंत समय के दौरान प्रभु के बच्चों को छुड़ाएगा। ना हमारी बुद्धि, ज्ञान और शक्ति के द्वारा, हम अंत समय की क्लेश से बच सकते हैं, लेकिन प्यार और अनुग्रह से ही है की हम बच सकते है। दानिय्येल 10 : 13 ''फारस राज्य का प्रधान तो इक्कीस दिन तक मुझे रोके रहा, परन्तु मुख्य प्रधानों में से मीकाएल मेरी सहायता करने आया क्योंकि फारस के राजाओं ने मुझे रोक रखा था।''

उस समय से, मीकाएल दूत प्रभु के लोगों की मदद कर रहा है। दानिय्येल 10 : 21 ''फिर भी सत्य की पुस्तक में जो कुछ लिखा है, वह मैं तुझे बताऊंगा। तेरे प्रधान मीकाएल को छोड़, उन प्रधानों के विरुद्ध मेरा साथ देनेवाला कोई भी नहीं।''

मीकाएल दूत के अकेले के पास शक्ति है, की वह लडे और शत्रु को हराए और जीत हासिल करें। इस प्रकार प्रभु परमेश्वर कहता है कि अंत समय में अपने बेटे और बेटियों को बचाने के लिए और उन्हें उस क्लेश के समय का सामना करने के लिए, मैं अपने बच्चों के लिए मीकाएल दूत को प्रदान किया है, वह उन्हें छुड़ाएगा और उनका बचाव करेगा। यहूदा 1 : 9 परन्तु प्रधान स्वर्गदूत मीकाईल ने, जब मूसा के शव के विषय में शैतान से वाद–विवाद किया, तो अपमान–जनक शब्दों का प्रयोग करने का दुरू साहस न किया, पर कहा, ''प्रभु तुझे डांटे।''

प्रकाशितवाक्य 12 : 7 ''फिर स्वर्ग में युद्ध हुआ। मीकाएल और उसके दूत अजगर से लड़े। अजगर ओर उसके दूत भी लड़े परंतु प्रबल न हुए।''

महान महादूत, मीकाएल उनके स्वर्गदूतों की सेना के साथ पूर्व शत्रु अर्थात अजगर और वर्तमान शत्रु से लड़ा, और हमारे लिए जीत हासिल की। प्रभु परमेश्वर ने ऐसी ताकत और वीरता प्रदान की है की वह हमें दुश्मनों से बचाय। अंत समय में, जब दुश्मन महान शक्ति के साथ प्रभु के बच्चों से लड़ने के लिए आएगा तब उस समय प्रभु मीकाएल दूत को तैयार किया है की वह हमारे लिए लड़े। लेकिन, याद रखें, यह महत्वपूर्ण है कि हमारे नाम पुस्तक में हैं। यह महत्वपूर्ण है की हम प्रभु के बच्चे बने ताकि हम अंत के समय में मीकाएल दूत द्वारा बच के रहे। पुराने समय की तरह, पुस्तक आज बंद नहीं है और अब कोई रहस्य भी नहीं है। हमारे प्रभु यीशु मसीह इस दुनिया में आ गए है और हमारे लिए किताब खोल दिया है। लेकिन फिर भी, आज भी अगर हम वचन का आज्ञा पालन नहीं करते हैं, तो हम परमेश्वर की आज्ञाओं के अनुसार नहीं रहते, याद करो वह घोषणा जो लगातार स्वर्ग में सुनाया जा रहा है। प्रकाशितवाक्य 22 : 11 ''जो अन्याय करता है, वह अन्याय ही करता रहे। जो अशुद्ध है, वह अशुद्ध ही बना रहे। जो धर्मी है, वह धर्मी के कार्य ही करता रहे। जो पवित्र है, वह पवित्र ही बना रहे।''

निश्चित रूप से प्रभु का दूसरा आगमन सच है, प्रभु ने मीकाएल दूत को भी तैयार किया है की वह प्रभु के बच्चों को इस दुनिया में बचाए और छुड़ाए। प्रभु हर एक को उसके नाम से जानता है। इस प्रकार, हम प्रभु के प्यारे बच्चे बन गए हैं।

इब्रानियों 1 : 14 ''क्या वे सब, उद्धार पाने वालों की सेवा करने के लिए भेजी गई आत्माएं नहीं ?''

प्रभु स्वर्गदूत किसके लिए भेजते है? जो परमेश्वर के प्यार और भय में रहते हैं, जो उसके साथ जुड़े हुए है और प्रभु के साथ दिन और रात बनके रहते हैं। हाँ, प्रभु हमारे लिए इन सभी स्वर्गदूत अर्थात 'सहायता के आत्माओं' को तैयार किया है। उदाहरण के तौर पे, जब कभी इस धरती पर बाढ़ आती हैं, हम देखते है कि कैसे सरकार डूबते हुए लोगों को बचाने के लिए बहुत कुछ करता है। वे हवाई

मदद भेजते है, नाव भेजकर बचाते है, डूबने से लोगों को बचाने के लिए वे रस्सी के तरीके से रास्ता बनाते हैं। वे सभी कोनों से लोगों के लिए सहायता और बचाव कार्य भेजते हैं। इसी तरह, अंत समय में, प्रभु ने हमारे लिए दूतों की सेना को तैयार किया है की वह हमारा बचाव करें।

भजन संहिता 34 : 7 ''यहोवा के भय मानने वालों के चारों और उसका दूत छावनी डालकर उन्हें बचाता है।''

जो लोग प्रभु से डरते हैं, जो प्रभु से प्यार करते हैं वे प्रभु के स्वर्गदूत के द्वारा बच जाएंगे जो हमेशा अपने बच्चों के आसपास डेरा डाले हुए रहते है। भजन संहिता 91 : 11 ''क्योंकि वह अपने दूतों को तेरे विषय में आज्ञा देगा, कि वे तेरे सब मांगों में तेरी रक्षा करें।''

प्रभु अपने स्वर्गदूतों को हम पर नजर रखने और सभी मायनों में हमारी रक्षा करेगा। इतना ही नहीं की सिर्फ अंत समय के लिए, लेकिन हम में से जो परमेश्वर से प्रेम करता हैं और भय मानता है उसके लिए स्वर्गदूतों हमारे प्रभार दिए गए है। पवित्र शास्त्र में हमने पढ़ा है कि प्रभु ने हमारे लिए तीन महान स्वर्गदूत को तैयार किया था अर्थात। १) मीकाएल दूत २) जिब्राईल दूत ३) लूसिफेर। हम यह भी जानते हैं कि जब घमंड लूसिफेर में आया क्योंकि शक्तिशाली ताकत जो प्रभु ने स्वर्गदूतों को दिया और साथ ही साथ स्वर्गदूतों की सेना को भी दिया था, लेकिन परमेश्वर ने अपने आदेश के तहत दी थी। लूसिफेर ने सोचना शुरू कर दिया था, की प्रभु ने मुझे स्वर्गदूतों की इतनी बड़ी सेना दी है उनके बच्चों के लड़ने के लिए। उसके गर्व और अहंकार की वजह से, प्रभु ने उसे स्वर्ग से नीचे फेंक दिया, जबकि गिरने पर वह अपने साथ १/३ दूत स्वर्ग से इस पृथ्वी पर अपने साथ लेकर गिरा। अब सिर्फ दो महान स्वर्गदूत

बचे जो है मीकाएल दूत – जिसका काम हमें बचाना है और गेब्रियल दूत – जिसका काम है प्रभु के पास हमारे प्रार्थनाओं को ले जाना और हमारे लिए प्रभु से जवाब/संदेश लाना। दानिय्येल 8 : 16 ''और मैंने ऊलै के पाटों नदी के बीच में से एक मनुष्य की आवाज सुनी, और उसने पुकारकर कहा, ''हे जिब्राईल इस मनुष्य को दर्शन का अर्थ समझा दे।''

जिब्राईल दूत का काम है की वह हमें अपने जीवन में प्रभु की इच्छा क्या है बताए और हमारे लिए प्रभु का संदेश लाए। दानिय्येल 9 : 21 ''और जब मैं प्रार्थना कर ही रहा था, और अत्यंत थक हुआ था उसी समय वह पुरुष जिब्राईल जिसे मैंने पहले दर्शन में देखा था, संध्या के बलिदान के समय मेरे पास पंहुचा।'' लूका 1 : 19, स्वर्गदूत ने उत्तर दिया, ''मैं जिब्राइल हूँ जो परमेश्वर के सामने खड़ा रहता हूँ आ मुझे इसलिए भेज गया है की मैं तुझ से बातें करूँ और तुझे यह सुसंदेश सुनाऊ।''

जिब्राईल दूत क्या करता है? जिब्राईल दूत हमेशा खुश खबर/हमारे लिए अच्छी खबर लाता है। तो चलो याद करें, प्रभु ने महान मीकाएल दूत को तैयार किया हमें बचाने के लिए और जिब्राईल दूत प्रभु की खुशी की खबर हम तक लाने के लिए। अच्छे समय के दौरान और उतना अच्छा समय नहीं के दौरान, हमें याद रखना चाहिए, जिब्राईल दूत हमेशा हम पर देख रहा है और प्रभु के पास हमारी प्रार्थना को ले जाता है और हमारे लिए प्रभु का संदेश लाता है। इसलिए हम भय और बड़ी सावधानी के साथ हमारे जीवन को जीना चाहिए। केवल प्रभु ही नहीं जो हम पर देख रहा है, लेकिन महादूत जिब्राईल भी है जो हम पर देख रहा है। इस प्रकार, हर शब्द जो हमारे मुंह से निकलता है और हर विचार और इच्छा जो हमारे दिल से बाहर आती है, उसे पता है। हमारे जीवन को ध्यान से

परमेश्वर के प्रेम में और उसके लिए बड़े भय के साथ आयोजित किया जाना चाहिए। हमें धर्मी और प्रभु के लिए शुद्ध होना चाहिए। सभोपदेशक 5 : 6 ''तेरा मुँह तुझ से पाप न करवाए, और परमेश्वर के संदेशवाहक के सामने मत कह की यह भूल से हुआ। परमेश्वर तेरी बोली के कारन क्यों क्रोधित हो, और तेरे हाथ के कामों को नाश करे?''

हम आम तौर पर सोचने के बिना बात करते हैं, और बात करने के बाद हम कहते हैं कि ''मैं माफी चाहता हूँ, मेरा मतलब वो नहीं था''। पर याद रखें स्वर्गदूत हम पर देख रहा है और गुस्से में, हमारे हाथ के काम को नष्ट कर सकता हैं । जब हम प्रभु के खिलाफ पाप करते है, यह जरुरी है की हम सच्चाई से स्वीकार करें और पशाताप सच्चाई से करे और प्रभु से क्षमा मांगे। स्वर्गदूत हम पर देख रहा है, हर सच्चाई को जानता है, कुछ भी स्वर्गदूत से छिपा नहीं है। हम आम लोग नहीं है प्रभु की दृष्टि में, हम उनके बहुमूल्य बच्चे हैं, इस प्रकार अंत के जोखिम समय में हमें छुड़ाने और बचाने के लिए प्रभु ने हमें महादूत मीकाएल और जिब्राईल दिया है हमारा ख्याल रखने के लिए। इस प्रकार, यह महत्वपूर्ण है कि हमारे नाम किताब में होने चाहिए। इस प्रकार हमारा जीवन वचन के अनुसार जीना चाहिए जैसे की हमने पढ़ा है, सभोपदेशक 5 : 6 ''तेरा मुँह तुझ से पाप न करवाए, और परमेश्वर के संदेशवाहक के सामने मत कह की यह भूल से हुआ। परमेश्वर तेरी बोली के कारन क्यों क्रोधित हो, और तेरे हाथ के कामों को नाश करे?''

प्रभु कहते हैं जो कोई भी मेरे पीछे चलेगा, उसे मेरा क्रूस उठाना पड़ेगा। इसका क्या मतलब है? लोग हमेशा प्रभु के काम और परमेश्वर के प्रेम के खिलाफ

बोलेंगे। लेकिन जब हम सत्य को जानते हैं, तब हम जानते हैं कि हम क्या कर रहे हैं वह सही है। यह प्रभु इतना जानता भी महादूत जिब्राईल जानता है कि हम सही हैं। दुनिया से डरने की कोई जरूरत नहीं है।

दानिय्येल 12 : 2 ''और जो मिटटी में मिल गए है, उन में से बहुततेरे लोग जाग उठेंगे, कुछ तो सनातनकाल के जीवन के लिए, और कुछ सदा तक अपमानित और घृणित ठहराए जाने के लिए लिए।''

एक आदमी के मरने के बाद, प्राकृतिक शरीर को दफनाया जाता है लेकिन आत्मा प्रभु के पास आराम करने के लिए जाती है । एक क्रिस्ती को दफनाने का तरीका भिन्न है मुसलमानो से या हिंदू जो दाह संस्कार करते है। लेकिन हमारे शरीर को दफन करना उस किसान के समान है जो बीज बोता है और एक दो दिन के भीतर अंकुरित होने की आशा करता है। इस विश्वास के साथ, हम अपने प्रियजनों को दफनाते है जो मर जाते है, इस विश्वास के साथ कि हम एक दिन स्वर्ग में मिलेंगे। हमारे शरीर और आत्मा दोनों हमारे प्रभु के लिए कीमती है, हम उसके वास्तविक सांस हैं। हमारे प्रभु यीशु के समान कौन है जो मरकर तीसरे दिन जी उठा, वह पहले से ही हमारे लिए रास्ता बना दिया है। हमारे परमेश्वर ने मौत पर जीत हासिल किया है।

1 कुरिन्थियों 15 : 44 ''स्वाभाविक दशा में बोई जाती है और आत्मिक दशा में जिलाई जाती है। जबकि स्वाभाविक देह है तो आत्मिक देह भी है।''

एक प्राकृतिक शरीर और एक आध्यात्मिक शरीर है। याद है कि स्वर्गदूत ने कहा है प्रकाशितवाक्य 22 : 11 ''जो अन्याय करता है, वह अन्याय ही करता रहे। जो अशुद्ध है, वह अशुद्ध ही बना रहे। जो धर्मी है, वह धर्मी के कार्य ही करता रहे। जो पवित्र है, वह पवित्र ही बना रहे।''

जो लोग अच्छा करते है, उनकी आत्मा को आत्मिक शरीर के रूप में उठाया जाता है, जबकि जो लोग पाप करते है और प्रभु का डर नहीं मानते है, भौतिक शरीर में ही रहते हैं। उदाहरण के तौर पे, लाजर और धनी आदमी है, जबकि लाजर शरीर को एक आत्मिक शरीर था, जब वह मर गया स्वर्गदूत उसे सीधे इब्राहीम की गोद में ले गया। तब, जब अमीर आदमी मर गया, उसका भौतिक शरीर नरक में भेजा गया था। वहां उन्होंने चिल्लाया, ''हे पिता इब्राहीम'' जिसका अर्थ है वह भी एक विश्वासी था जो प्रभु को जानता था। यहाँ हम भौतिक शरीर और आत्मिक शरीर के अंतर को देखते है। कोई रहस्य नहीं रह गया है, प्रभु ने हर रहस्य को मानव जाति के लिए खोल दिया है और आज खुले जीवन की पुस्तक को रखा गया है। जैसे की वचन में प्रकाशितवाक्य 22 : 11 कहता है आत्मिक शरीर स्वर्गीय राज्य में प्रवेश करेगा और भौतिक शरीर को नरक में जाना पड़ेगा। हम सभी को इस दुनिया को छोड़कर एक दिन जाना है और इस प्रकार हमें पता होना चाहिए कि कैसे हम प्रभु में विश्वास करें, उनके डर और प्यार में जीना हैं ताकि हम उसके राज्य में एक दिन प्रवेश करें। लाजर के जीवन को याद करो, जिब्राईल दूत लगातार उस पर देख रहा था, वह गरीबी में था, खाने के लिए भोजन न था, कोई सभ्य कपड़े पहनने के लिए न था।

उसने इस दुनिया में बहुत क्लेश भुगता। लेकिन हमने उसके अंत और मृत्यु के बाद के अद्भुत जीवन को भी देखा है। इसके तत्काल बाद स्वर्गदूत ने उसकी आत्मा को ले लिया और इब्राहीम की गोद में दाल दिया। इस प्रकार, हमें आज योग्य बनना है ताकि एक अच्छा अंत मिले। जो भी चुनौतियों का हमे आज अपने जीवन में सामना करना पड़े, प्रभु जानता है और स्वर्गदूत भी हम पर देख रहा है। प्रभु सच्चाई को जानता है और सत्य अंत तक प्रबल होगा। यह महत्वपूर्ण है की हम प्रभु की महिमा करे और उसे हमारे जीवन में और भी ऊँचा उठाए। याद

रखें, दाऊद एक राजा था, लेकिन एक बार जब वह प्रभु के लिए नाचना शुरू किया, उसने परवाह नहीं की कि उसके कपड़े गिर गए है और वह वस्त्रहीन हो गया है, लेकिन वह प्रभु के लिए नाचना जारी रखा। उसने परमेश्वर की महिमा की और उसकी सारी शर्म दूर हो गई। हमें प्रभु की प्रशंसा और महिमा करने में कभी संकोच नहीं करना चाहिए। हम सभी को तीन दोस्त शद्रक, मेशक और अबेदनगो की कहानी पता है। प्रभु में उनकी आस्था क्या थी ? उन्होंने राजा नबूकदनेस्सर से कहा, ''कि प्रभु हम जिसकी उपासना और प्रशंसा करते हैं निश्चित रूप से हम को बचाएगा, यदि न भी हमें बचाए, कोई समस्या नहीं है हम उसके लिए मरने के लिए भी तैयार हैं''। हम में भी उन तीन दोस्तों की तरह साहस होना चाहिए, कहते हैं, ''प्रभु जिसकी हम उपासना और स्तुति करते है हमको बचाएगा''। लेकिन, अगर हमारे भीतर सत्य नहीं है, तो हम दुश्मन को यह वाक्य नहीं कह पाएंगे।

1 तीमुथियुस 5 : 24 ''कुछ लोगों के पाप बिलकुल प्रकट होते हैं और पहिले ही से न्याय के लिए पहुंच जाते हैं, परंतु अन्य लोगों के पाप बाद में प्रकट होते हैं।''

अमीर आदमी और लाजर की तरह, उनका सच उनकी मृत्यु के बाद देखा गया था। इसी तरह, हमारा परिणाम अच्छा है या बुरा, हमारे द्वारा देखा जाएगा। मत्ती अध्याय २५ में, यीशु ''भेड़ का और बकरी दृष्टान्त'' प्रचार किया है, 'समझदार और मूर्ख कुंवारी का दृष्टान्त' का प्रचार किया है । कैसे प्रभु ने बुराई से अच्छाई को अलग किया है, इस शास्त्र में सुना है। प्रकाशितवाक्य 20 : 11–12 ''फिर मैंने एक बड़ा श्वेत सिंहासन और उसे देखा जो उस पर बैठा था। उसकी उपस्थिति से आकाश और पृथ्वी भाग गए और उन्हें कोई स्थान न मिला। तब

मैंने छोटे बड़े सब मृतुकों को सिंहासन के समक्ष खड़े हुए देखा, और पुस्तकें खोली गई, तथा एक और पुस्तक खोली गई जो जीवन की पुस्तक है , और उन पुस्तकों में लिखी हुई बातों के आधार पर सब मृतुकों का न्याय उनके कामों के अनुसार किया गया।''

याद है, वहाँ स्वर्ग में दो पुस्तकें हैं , एक है जो सब कुछ दर्ज करता हैं, जो छोटे और महान लोगों के लिए हैं। और एक और पुस्तक है जो है जीवन की पुस्तक जिसमे न्यायाधीश का निर्णय किया जाता है, हमारे कामों के अनुसार। इस प्रकार यीशु कहते हैं प्रकाशितवाक्य 22 : 16 ''मुझ यीशु ने अपने स्वर्गदूत को भेजा है कि वह तुम्हें कलीसियाओं के लिए इन बातों की साक्षी दे। मैं दाऊद का मूलवंश और भोर का चमकता हुआ तारा हूं।''

प्रभु ने अपने स्वर्गदूतों को हर सभा में रखा है जो हमसे बात करता है, हमें देखता है और हर चीज रेकार्ड करता है। यीशु ने आप ही कहते हैं, ''मैं जड़ और दाऊद का वंशज हूँ, उज्ज्वल और सुबह का तारा हूँ''। कोई भी प्रभु की महिमा को छू नहीं सकता है। यह प्रभु का संदेश ही है जो कि जिब्राईल दूत हमारे पास लाता है, वचन जो मैं आज प्रचार करता हूँ वह अकेले संदेश परमेश्वर की ओर से है।

इससे पहले भी यीशु का जन्म हुआ कई लोग मर गए और स्वर्गीय राज्य पहुँच गए लाजर की तरह। यशायाह 57 : 1–2 ''धर्मी जन नाश होता है और कोई इसकी चिन्ता नहीं करता। भक्तजान उठा लिए जाते हैं जबकि कोई समज नहीं पाता। धर्मी जन तो इसलिए उठा लिया जाता है कि बुराई से बच जाए। वह चिर–शान्ति में प्रवेश पाता है। प्रत्येक जो खरी चाल चलता है अपने बिछोने पर विश्राम पाता है।''

हाँ, प्रभु सबको उठाएगा और अपने स्वर्गीय राज्य में कई धर्मी लोगों को ले जाएगा। वह उन्हें ज्यादा पीड़ित नहीं होने देगा। यह उन पर उसकी दया है। केवल बुद्धिमान यह समझ पाएंगे, सभी मनुष्य प्रभु की योजना को नहीं समझ पाएंगे। हमारा परमेश्वर एक महान परमेश्वर है, वह सब कुछ हमारे लिए करता है अच्छे के लिए ही होता है। इस प्रकार, हम हमेशा हमारे दौड़ इस दुनिया में पौलुस की तरह करना चाहिए। 2 तीमुथियुस 4 : 7 ''मैं अच्छी कुश्ती लड़ चुका हूं, मैंने अपनी दौड़ पूरी कर ली है, मैंने विश्वास की रक्षा की है।''

जब हम अच्छी लड़ाई लड़ ले और इस धरती पर कुशलता में हमारे विश्वास रखने का काम पूरा कर चुके, जैसे पौलुस हम भी उसी तरह कहने के लिए सक्षम हो जाएंगे। शुरुआत ही से, प्रभु चाहता था की मनुष्य समृद्ध और वृद्धि हो, उस समय से जब आदम और हवा थे, प्रभु ने नूह को भी यही कहा। उत्पत्ति 9 : 1 ''परमेश्वर ने नूह और उसके पुत्रों को आशीष दी और उनसे कहा, ''फूलो–फलो और बढ़ो और पृथ्वी में भर जाओ।''

हाँ, आज पृथ्वी अधिक लोगों से भरा है। इसलिए भी दुनिया अधिक से अधिक पापी हो गई है, साथ ही में बुद्धि और ज्ञान में वृद्धि होकर, पाप इस दुनिया में बढ़ता जा रहा हैं। यदि हम हमारे आसपास की दुनिया को देखे, वहाँ केवल बुराई और बुराई हमारे आसपास बढ़ता जाता है। बमों को नष्ट करने के लिए बनाये जा रहे हैं, चिप्स हमें नियंत्रित करने के लिए मानव शरीर में डालने के लिए तैयार किए जा रहे हैं, शत्रु इस दुनिया के ऊपर पूरा नियंत्रण लेना चाहता है और इस दुनिया के पुरुषों पर भी राज करना चाहता है। हाँ, प्रभु ने एहसास किया कि यह दुनिया भरा हुआ है और उमड़ रहा है, इस प्रकार प्रभु उनके काम को भी बढ़ाना चाहता है और इस दुनिया का नुक्कड़ और कोने तक को भी भरना चाहता है। वह चाहता है कि उसकी रोशनी इस अंधेरी दुनिया में फैल जाये और इस दुनिया के हर कोने में, उनके वचन का प्रसार हो। मत्ती 24 :

37–39 ''मनुष्य के पुत्र का आना ठीक नूह के दिनों के समान होगा। क्योंकि जल–प्रलय के पूर्व के दिनों में जिस प्रकार नूह के जहाज में प्रवेश करने के दिन तक लोग खाते–पीते रहे, और उन में ब्याह–शादीया हुआ करती थी। और जब तक जल–प्रलय उनको बहा न ले गया वे इसे समझ न सके, उसी प्रकार मनुष्य के पुत्र का भी आना होगा।''

यहाँ तक कि नूह के समय के बाद भी, प्रभु जानता था कि इस दुनिया के लोगों में पाप जारी रहेगा और केवल पाप ही इस दुनिया में बढ़ता जाएगा।

1 कुरिन्थियों 3 : 17 ''यदि कोई परमेश्वर के मन्दिर को नष्ट करे तो परमेश्वर उसे नष्ट करेगा क्योंकि परमेश्वर का मन्दिर पवित्र है, और वह तुम हो।''

हम अपने पैरों के नीचे शत्रु के हर कार्य को रोंदना चाहिए जो कि हमारे भीतर से आता है और हमारे खिलाफ सभी बुराई योजनाओं को नष्ट करना चाहिए। हम पवित्र आत्मा के मंदिर है हम अपने मंदिर को अर्थात शरीर को अशुद्ध नहीं करना चाहिए। जब हम परमेश्वर का भय मानते हैं, वचन का भय मनो और परमेश्वर से प्यार करो, तो ही हम खुद को विनाश से बचाके रख सकते हैं।

मलाकी 4 : 2–3 ''परन्तु तुम्हारे लिए जो मेरे नाम का भय मानते हो, धार्मिकता का सूर्य उदय होगा, और उसकी किरणों से तुम चंगे हो जाओगे, और तुम गौशाले के बछड़े के समान निकल चौकड़ी भरोगे। तुम दुष्टों को लताड़ डालोगे, क्योंकि मेरे उस तैयार किए हुए दिन में वे तुम्हारे पैरों के नीचे की राख बन जाएंगे,'' सेनाओं के यहोवा का यही वचन है।''

मत्ती 24 : 14 ''राज्य का यह सुसमाचार सारे जगत में प्रचार किया जाएगा कि सब जातियों पर साक्षी हो और तब अन्त आ जाएगा।''

हमारा प्रभु, उसके कामो के लिए हमारे ऊपर गर्व करता है, उसकी यह इच्छा है कि उनके वचन इस दुनिया की छोर तक फैला जाए। अंत समय से पहले,

उसकी यह इच्छा है कि हर किसी को खुश खबर और सुसमाचार सुनना चाहिए, इस प्रकार वह हमारे लिए महादूत मीकाएल और जिब्राईल को तैयार किया है। प्रभु की यह भी इच्छा है कि उनके बच्चों को उनकी पवित्र आत्मा से भर दे। योएल 2 : 28–32 ''और इसके बाद मैं सब लोगों पर अपना आत्मा उण्डेलूंगा। तुम्हारे पुत्र और पुत्रियां नबूवत करेंगी। तुम्हारे वृद्ध जन स्वप्न देखेंगे, और तुम्हारे जवान दर्शन देखेंगे। मैं अपने दासों और दासियों पर भी उन दिनों में अपना आत्मा उण्डेलूंगा। मैं आकाश में और पृथ्वी पर अदबुध कार्य करूँगा, अर्थात लहू और अग्नि तथा धूएं के खम्भे दिखाऊंगा। यहोवा के महान और भयानक दिन के आने से पहले सूर्य अंधकार में और चन्द्रमा लहू में बदल जाएगा। और ऐसा होगा की जो कोई यहोवा का नाम लेगा वह उद्धार पाएगा, क्योंकि सिय्योन पर्वत पर और यरूशलेम में, जैसा यहोवा ने कहा है, उद्धार पानेवाले होंगे अर्थात बचनेवाले जिन्हें यहोवा ने बुलाया है।''

इस प्रकार हमारे विश्वास और हमारी दौड़ प्रभु में विश्वास के साथ बढ़ते रहना चाहिए। हमारे प्रभु का काम इस दुनिया में जब किया जाता है वे गर्व करते है। वह अपने बच्चों को इस धरती पर उनके काम करने के लिए अभिषेक करता है। हम प्रशंसा और प्रभु के पवित्र नाम की महिमा करने में कभी संकोच नहीं करना चाहिए। वह हमारी भूख और प्यास उसके लिए जानता है। याद रखें हम महादूत मीकाएल और जिब्राईल के सामने नंगे हैं जो कि प्रभु ने हमारे लिए तैयार किया है।

प्रभु हम सबको आशिष दे और इस संदेश के द्वारा हमारे जीवन में हमें आशीर्वाद मिले।

प्रभु की सेवा में आपकी,

पास्टर सरोज म.